क़िस्मत ❤️

खेल रही है दुनिया हमसे
हम क्या कोई खिलौना है,
क्यू लड़का पाकर हर किसी को
लड़की को ही खोना है!

लक्ष्मी का वो रूप है बनती
हर घर को धन से भरती है,
फिर क्यू दुनिया की नज़रों मे,
लड़की बोझ बनती है!

लड़की तो वो रूप है रब का
जो रखती सबको ख़ुशहाल है,
इक लड़की ही तो है जो
जाने सबके दिल का हाल!

कभी माँ तो कभी
बहन बन जाती है,
लेकर सबके दुःख
वो तो ख़ुशियाँ देना चाहती है!

ख़ुदा की सबसे सुंदर माया
जो लड़की को बनाया है,
देकर सबको माँ का सुख
अपनी रहमत को दिखाया है...
अपनी रहमत को दिखाया है...

– भारती सहगल

B.COM